>

Title: Need to take welfare measures for the workers engaged in sanitation work.

श्रीमती संतोष चौधरी (होशियारपुर): देश के प्रथम प्रधानमंत्री श्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी ने गरीबों की दशा सुधारने हेतु अनेक योजनाओं का गठन किया परंतु पाँच वर्ष बाद जब उन योजनाओं की समीक्षा की गई तो यह पाया गया कि अमीर व्यक्ति अधिक अमीर हो गया है तथा गरीब व्यक्ति अधिक गरीब। आज आजादी को 63 वर्ष हो रहे हैं परंतु भारतवर्ष से मैला ढोने की प्रथा आज भी कई प्रदेशों में चालू है। इसका कारण राज्य सरकारों का समाज के इस शोषित वर्ग की ओर ध्यान न देना है।

नवम्बर, 2004 से 2009 तक सफाई कर्मचारी आयोग की अध्यक्ष होने के नाते मैंने भारतवर्ष की नगरपालिकाओं तथा कार्पोरेशन में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की व्यथा को बहुत ही निकटता से देखा है। उन्हें न तो कार्य का पूरा पैसा मिलता है, न ही स्वास्थ्य की सुविधा तथा न ही सरकार की किसी भी योजनाओं का लाभ मिल पाता है।

अतः आपके माध्यम से मंत्री जी से अनुरोध है कि राज्य सरकारों को खाली स्थानों को भरने के तथा ठेकेदारों तथा मुहल्ला सुधार कमेटियों के निर्णय को भंग करते हुए इन्हें नियमित किया जाए ताकि ये भी स्वयं को आजाद हिन्दुस्तान का अंग समझ सके।